रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026

वर्ष 02 | अंक 243 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

बड़ा फैसला! यूपीआई पर 0.4 फीसदी चार्ज दीवाली तक टला

● त्योहारी सीजन को देखते हुए मोदी सरकार ने लिया बड़ा निर्णय ● 2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 15 अक्टूबर से होना था लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई पेमेंट पर 15 अक्टूबर से लागू होने वाला चार्ज दीवाली तक टाल दिया गया है। इसमें दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करने पर 0.4 फीसदी चार्ज लगना था। आम लोगों के बीच ट्रांजेक्शन पहले की तरह फ्री रहेगा। एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए इसे टालने का फैसला लिया है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसे दीवाली के तुरंत बाद लगाया जाएगा, लेकिन अभी तारीख नहीं बताई है। अगर ग्राहक दुकानदार को 2,000 से ज्यादा का यूपीआई पेमेंट करता है, तो दुकानदार को कुल रकम पर 0.4 फीसदी का एमडीआर चार्ज देना होगा। अगर ग्राहक 75,000 या उससे ज्यादा का बड़ा पेमेंट करता है, तो प्रतिशत के बजाय अधिकतम फ्लैट चार्ज लागू होगा।



● **देशभर में हुआ था यूपीआई पर चार्ज का विरोध-** सरकार के इस फैसले का देशभर के कारोबारियों और विपक्षी नेताओं ने विरोध किया था। विरोध दो स्तरों पर हुआ। विपक्षी नेताओं ने राजनीतिक और आम लोगों पर असर को लेकर सवाल उठाए, जबकि कारोबारी संगठनों ने लागत बढ़ने और ग्राहकों पर बोझ पड़ने की आशंका जताई। उनका कहना था कि इससे छोटे कारोबारियों को ज्यादा नुकसान होगा।

केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा

राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी



नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीएम मोदी को 5 पेज की चिट्ठी में उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने की बात कही है।

मुरुगन ने चिट्ठी में लिखा- मुझे जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए। मैं तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने के लिए अपना समय देना चाहता हूं। मुरुगन ने लिखा, 'आपके नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वे गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे।' तमिलनाडु के रहने वाले मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था।

पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा, 6 लोगों की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुल्तान में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हुआ है। ये हादसा तब हुआ, जब रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इस घटना में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि स्थानीय प्रशासन ने की है। वहीं 40 से ज्यादा लोग इस एक्सीडेंट में घायल हुए हैं।

ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएगी एमपी की मोहन सरकार

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मिले सीएम, नई रणनीति पर हुई चर्चा

भोपाल। एमपी हाईकोर्ट द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग को 14 से बढ़कर 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के फैसले को खारिज किए जाने के बाद राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाने का मन बना रही है। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नई दिल्ली में विधि विशेषज्ञों से चर्चा की। दरअसल राज्य की तत्कालीन कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ओबीसी को दिए जाने वाले आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़कर 27 प्रतिशत कर दिया था।



कानूनी परामर्श लेकर आगे बढ़ाया जाएगा कदम- यह मामला जबलपुर उच्च न्यायालय में गया, जहां हाल ही में न्यायालय ने इस फैसले को खारिज कर दिया। इस मामले पर सियासत भी खूब गरमाई। जबलपुर उच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद भाजपा और सरकार लगातार यही कहती रही है कि आगे कानूनी परामर्श लेकर कदम बढ़ाए जाएंगे। इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता एवं प्रदेश के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह के साथ ओबीसी आरक्षण को लेकर उच्च न्यायालय के निर्णय से जुड़े विधिक पहलुओं और आगामी कानूनी कार्यवाही की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। **अध्यादेश को असंवैधानिक करार दिया-** दरअसल मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 9 अक्टूबर 2026 को दिए गए अपने फैसले में सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत करने के तत्कालीन कमलनाथ सरकार द्वारा 2019 के कानून को असंवैधानिक करार दिया और इसे वापस 14 प्रतिशत तक सीमित कर दिया था।

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास बारूदी सुरंग में विस्फोट

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास बारूदी सुरंग में विस्फोट से चार लोगों की मौत की खबर सामने आई है। घटना के बाद सीमावर्ती इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, सीमा पर निगरानी तेज की गई है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा सके और घुसपैठ की संभावित कोशिश को रोका जा सके। नियंत्रण रेखा के आसपास बारूदी सुरंगें और दुर्गम क्षेत्र सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसे इलाकों में आवाजाही के दौरान छोटी-सी चूक भी जानलेवा साबित हो सकती है। हालांकि, विस्फोट में मारे गए लोगों की पहचान, घटना की परिस्थितियों और बारूदी सुरंग के सक्रिय होने के कारणों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है।



घटना ने एक बार फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा और नागरिकों की जान की हिफाजत का सवाल खड़ा किया है। प्रशासन की जांच और आधिकारिक जानकारी से ही हादसे की पूरी तस्वीर साफ हो सकेगी।





शहडोल पुलिस की बड़ी कार्रवाई: ट्रक से 735 किलो 440 ग्राम गांजा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये की सामग्री जब्त, उत्तर प्रदेश और झारखंड के रहने वाले हैं आरोपी

साहिल खान

शहडोल। जिले में नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए शहडोल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक ट्रक की तलाशी के दौरान 735 किलो 440 ग्राम गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे, ट्रक और मोबाइल फोन सहित कुल मशरूका की अनुमानित कीमत 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये बताई गई है। इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की बरामदगी से मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देश पर जिले में नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 13 अक्टूबर 2026 को नवरात्रि पर्व के मद्देनजर रात्रि गश्त और प्रभात गश्त के दौरान जयसिंहनगर पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक को रुकवाकर चालक और खलासी से पूछताछ की। संदेह होने पर पुलिस ने ट्रक की



विधिवत तलाशी ली, जिसमें 18 बोरियों और 81 पैकेटों में भरकर रखा गया कुल 735 किलो 440 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने ट्रक चालक राहुल विश्वकर्मा (36), निवासी ग्राम जमीनबारी, थाना निजामाबाद, जिला आजमगढ़, उत्तर प्रदेश और खलासी नारायण मंडल (50), निवासी ग्राम अलगडीहा, थाना बगोदर, जिला गिरिडीह, झारखंड को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध जयसिंहनगर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस अब इस मामले में गांजे की तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 735 किलो 440 ग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 73 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा करीब 40 लाख रुपये कीमत का ट्रक और तीन मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 5 हजार रुपये है, जब्त किए गए हैं। इस तरह जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 1 करोड़ 13 लाख 55 हजार रुपये है। इनकी रही अहम भूमिका: पुलिस की इस कार्रवाई में एसडीओपी ब्यौहारी ऋषभ चारी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय बैगा, उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार, उपनिरीक्षक सुरेश सिंह, प्रधान आरक्षक आदित्य शुक्ला एवं रुस्तम सिंह, आरक्षक ऋषिकांत मिश्रा, नीरज शुक्ला, धीरशाह बैगा, महिला आरक्षक खुशबू लोधी तथा साइबर सेल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अल्पवर्षा से तबाह हुई आदिवासी किसानों की फसलें, सोसायटी से खाद भी नहीं मिली

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा आदिवासी किसानों ने हरदा में पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल से लगाई गुहार, पूर्व कृषि मंत्री ने अधिकारियों को दिए किसानों की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश

हरदा। मंगलवार को जिले की टिमरनी विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी किसानों ने हरदा पहुंचकर पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल से उनके कार्यालय में मुलाकात की। भाजपा सोशल मीडिया हरदा विधानसभा सह संयोजक आशुतोष पाराशर ने बताया कि पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल से मुलाकात के दौरान रहटगांव तहसील की ग्राम पंचायत बोरी के आदिवासी किसान मांगीलाल, रामस्वरूप, दुलाराम, समशेरसिंह, नारायण, भोदीसिंह, कल्लू, रमेश, तुलसीराम, सुतलाल, जगदीश, रामप्रसाद, मोजीलाल, मुनेलाल आदि ने पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल को बताया कि ग्राम बोरी में अधिकांश आदिवासी परिवार खेती पर निर्भर हैं। इस वर्ष अल्पवर्षा के कारण मक्का, धान और सोयाबीन की पूरी फसल नष्ट हो गई है, जिससे उनकी



आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। किसानों ने मांग की है कि ग्राम बोरी में फसलों का तत्काल सर्वे कराकर खराब हुई फसलों का मुआवजा दिलाया जाए। वहीं किसान नारायण पिता ज्ञानसिंह ने बताया कि उन्होंने प्राथमिक कृषि साख सहकारी मर्यादित राजाबरारी में खाता खुलवाया था, लेकिन खाता खुलने के बाद भी उन्हें सोसायटी से खाद नहीं मिल रहा है, जिससे बुआई का कार्य प्रभावित हो रहा है। नारायण ने बताया कि उनके साथ 10 से 15 किसान और हैं, जिनका खाता राजाबरारी सोसायटी में होने के बाद भी खाद नहीं मिल रहा है। उन्होंने समय पर बुआई के लिए खाद दिलाने की मांग की है। आदिवासी किसानों की समस्याएं सुनने के बाद पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल ने कृषि विभाग एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर किसानों की खराब हुई फसलों का सर्वे कर उचित मुआवजा देने, यदि किसानों की फसलों का बीमा है तो फसल बीमा योजना का लाभ देने एवं सोसाइटी से खाद वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहाँ की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री जैन ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर



पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

MP में गहराया बिजली संकट

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिजली सप्लाई का सिस्टम इन दिनों बुरी तरह लड़खड़ा गया है। राज्य में बिजली की मांग और उत्पादन के बीच बड़ा अंतर आने के कारण ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बिजली संकट गहराने लगा है। स्थिति यह है कि राज्य में एक दिन में लगभग 15,000 मेगावाट बिजली की जरूरत और खपत है, जबकि उत्पादन मात्र 12,000 से 13,000 मेगावाट के बीच ही हो रहा है। लगभग 2,000 से 3,000 मेगावाट की इस भारी कमी के चलते बिजली कंपनियों ने अलग-अलग इलाकों में कटौती का फैसला लिया है, जिससे ग्रामीण अंचलों में कई घंटों तक बिजली गुल रहने लगी है।

अचानक मांग बढ़ने और संकट पैदा होने के पीछे मुख्य रूप से कृषि संबंधी जरूरतें और मौसम का फेरबदल माना जा रहा है।निमाड़ अंचल में इस बार मानसून के दौरान बारिश कम होने के कारण किसानों ने रबी फसलों के लिए 'पलेवा' (बुवाई से पहले खेत की सिंचाई) का काम समय से पहले ही शुरू कर दिया है।

रोज 100 से 300 रुपये की भीख के बदले मिलता है सिर्फ खाना! ग्वालियर में बच्चे का वीडियो वायरल

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए चलाए जा रहे अभियानों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

वीडियो में बच्चे से जुड़ी भीख मांगने की स्थिति सामने आने के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर चर्चा तेज हो गई है। दावा किया जा रहा है कि बच्चों से रोजाना 100 से 300 रुपये तक की भीख मंगवाई जाती है, जबकि बदले में उन्हें केवल खाना दिया जाता है। यदि यह दावा सही साबित होता है, तो यह बच्चों के शोषण और उनके अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला है। हालांकि, वायरल वीडियो में किए जा रहे दावों की स्वतंत्र पुष्टि और पूरे घटनाक्रम की आधिकारिक जानकारी सामने आना जरूरी है। बाल भिक्षावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन, पुलिस और बाल संरक्षण से जुड़े विभाग समय-समय पर अभियान चलाते हैं। इसके बावजूद ऐसे मामले सामने आना निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे प्रयासों के बीच यह मामला चिंता बढ़ाता है। अब सवाल है कि क्या प्रशासन वायरल वीडियो के आधार पर मामले की जांच करेगा? बच्चे से भीख कौन मंगवा रहा है, उसकी कमाई पर किसका नियंत्रण है और उसे केवल भोजन देने का दावा कितना सही है? इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आएंगे।

रणजीत टाइम्स

जब जिंदगी में आए सवाल तो शान्ति से पूछो

सह संपादक अनिल चौधरी

इंदौर। महिलाओं के रोजमर्रा के सवालों और फैसलों में मदद के लिए निहार शान्ति आंवला ने अपनी तरह की पहली AI आधारित पहल शान्ति से पूछो इंदौर में पेश की है। सी21 मॉल में आयोजित कार्यक्रम में ब्रांड ने 'शान्ति' नाम का डिजिटल साथी लॉन्च किया।

यह एक व्हाट्सऐप चैटबॉट है जो महिलाओं को सलाह, भरोसा और मज़बूत फ़ैसले लेने के लिए, शान्ति से पूछो ।एक नया नजरिया देने में मदद करेगा। कंपनी के अनुसार यह पहल इस समझ पर आधारित है कि महिलाएं अक्सर ऐसी जगह सलाह लेना चाहती हैं जहां उन्हें आलोचना का डर न हो।इस अनुभव को देखने के लिए इंदौर में हजारों की संख्या में ग्राहक पहुंचे और उन्होंने चैटबॉट के साथ सीधे बातचीत की।मैरिको लिमिटेड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर विक्रम करवाल ने कहा, कई पीढ़ियों से निहार शान्ति आंवला महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा रहा है। 'शान्ति से पूछो' इसी विरासत को आगे बढ़ाने वाली पहल है, जहां ब्रांड की भूमिका सिर्फ बालों की देखभाल से आगे बढ़कर एक भरोसेमंद साथी की बन गई है।'शान्ति से पूछो' व्हाट्सऐप बॉट से जुड़ने के लिए ग्राहक 9004002080 नंबर पर व्हाट्सऐप मैसेज भेज सकते हैं या गूगल पर 'शान्ति से पूछो' सर्च कर सकते हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाने के लिए सीएम डॉ. मोहन ने की नई पहल, इंदौर में होगी अर्बन कॉन्क्लेव-2026, यहां करना होगा ऑनलाइन पंजीयन

भोपाल। मध्यप्रदेश में शहरी विकास को नई दिशा देने और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई पहल करने जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में 28 अक्टूबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में अर्बन कॉन्क्लेव-2026 का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में शहरी विकास के नए मॉडल, निवेश की संभावनाओं, डिजिटल गवर्नेंस, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की शहरी जरूरतों पर विशेषज्ञों, निवेशकों, स्टार्टअप्स और संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श होगा। कॉन्क्लेव के दौरान सीएम डॉ. यादव निवेशकों से वन-टू-वन चर्चा भी करेंगे। इसमें नगरीय क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं, प्रस्तावित परियोजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर संवाद होगा। इसके अलावा वे परियोजनाओं का शुभारंभ करने के साथ-साथ नगरीय विकास से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का भूमि पूजन और लोकार्पण भी करेंगे। इस दौरान कई जन-प्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और एक्सपर्ट भी मौजूद रहेंगे। अर्बन कॉन्क्लेव-2026 का उद्देश्य प्रदेश में निवेश, नवाचार, आधुनिक तकनीक और स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करना है। इसमें निवेशकों, स्टार्टअप्स और युवाओं को सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया है। इच्छुक प्रतिभागी ugconclave.mp.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं।

गौरतलब है कि, कॉन्क्लेव में टियर-2 शहरों के सुनियोजित विकास पर विशेष सत्र आयोजित होगा। इसमें उनके घनत्व, परिवहन आधारित विकास (टीओडी), ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर), आवासीय पुनर्विकास, मास्टर प्लान, विकास गलियारों, रेरा स्वीकृतियों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य शहरों के विस्तार के साथ भूमि का बेहतर उपयोग, आवासीय सुविधाओं में सुधार और परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में शहरी विकास को निवेश अनुकूल, तकनीक आधारित और नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप बनाने पर जोर दिया जा रहा है। कॉन्क्लेव में इस दिशा में नीतिगत सुधारों और आधुनिक विकास मॉडलों पर विचार कर शहरों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

डिजिटल गवर्नेंस और पर्यावरण अनुकूल शहरों पर मंथन नगरीय प्रशासन को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए आयोजित सत्र में स्वचालित भवन अनुज्ञा अनुमोदन प्रणाली (एबीपीएएस), ऑनलाइन अनापत्ति प्रमाण-पत्र एवं विकास अनुज्ञा प्रणाली, जीआईएस आधारित नियोजन, डिजिटल गवर्नेंस और परियोजना प्रबंधन सूचना प्रणाली जैसे विषय शामिल होंगे।

छुरा नगर के मानस मंदिर प्रांगण में आकार ले रहा भव्य श्रीराम जानकी मंदिर राम काज किन्हु बिनु मोह कहां विश्राम

सभी श्रद्धालु सीताराम भक्तों से अपार सहयोग की अपील

इच्छाशक्ति से संकल्प तक और संकल्प से साकार हो रहा भव्य श्रीराम मंदिर का सपना

छुरा ।आस्था, विश्वास और समर्पण जब दृढ़ संकल्प का रूप लेते हैं, तो बड़े से बड़ा लक्ष्य भी साकार होने लगता है। छुरा नगर में श्रीराम-जानकी मंदिर के भव्य पुनर्निर्माण का कार्य इसी आस्था और संकल्प का प्रतीक बनकर आगे बढ़ रहा है। मंदिर को स्थायी, सुरक्षित और भव्य स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से मानस यज्ञ समिति एवं निर्माण समिति, छुरा, जिला गरियाबंद (छत्तीसगढ़) द्वारा राजस्थान के श्वेत संगमरमर मार्बल से राजस्थान के शिल्पकार द्वारा मंदिर का पुनर्निर्माण कराने का संकल्प लिया गया है। वर्षों पुराना श्रीराम-जानकी मंदिर समय के साथ वर्षा, धूप और नमी के प्रभाव से क्षतिग्रस्त होने लगा था। कई बार मरम्मत एवं सुधार कार्य कराए जाने के बावजूद स्थायी समाधान नहीं हो सका। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति ने आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत, सुरक्षित एवं भव्य मंदिर के निर्माण का निर्णय लिया।

नींव से स्तंभ निर्माण तक पहुंचा कार्य

नवीन मंदिर निर्माण के लिए विधिवत पूजा-अर्चना के बाद प्रभु श्रीराम, माता जानकी, भ्राता लक्ष्मण एवं श्री हनुमान जी के विग्रहों को सुरक्षित स्थान पर विराजित किया गया। इसके पश्चात



विधिवत भूमिपूजन कर मंदिर निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया। प्रभु श्रीराम की कृपा और भक्तों के सहयोग से मंदिर की नींव के निर्माण से लेकर वर्तमान में स्तंभ निर्माण तक का कार्य निरंतर प्रगति पर है।

लगभग 40 लाख रुपये की लागत से होगा भव्य मंदिर का पुनर्निर्माण

मंदिर निर्माण समिति ने जानकारी देते हुए बताया कि आराध्य प्रभु श्रीराम-जानकी के इस भव्य मंदिर के पुनर्निर्माण में वर्तमान अनुमान के अनुसार लगभग 40 लाख रुपये तक की लागत आने की संभावना है।

इस पुनीत कार्य के लिए नगर एवं क्षेत्र के श्रद्धालु श्रीराम भक्तों ने अपनी-अपनी सामर्थ्य और श्रद्धा के अनुरूप दिल खोलकर सहयोग प्रदान कर रहे हैं अनेक श्रद्धालुओं ने अपने परिवार, माता-पिता एवं पूर्वजों के नाम से श्रद्धापूर्वक सहयोग राशि समर्पित कर मंदिर निर्माण के इस पवित्र संकल्प में अपनी सहभागिता सुनिश्चित किए हैं भक्तों के इसी समर्पण और सहयोग का परिणाम है कि अब तक प्राप्त सहयोग राशि से मंदिर की नींव से लेकर स्तंभ निर्माण तक का कार्य आगे निरंतर बढ़ रहा है। समिति ने सभी दानदाता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक भक्त का योगदान प्रभु श्रीराम के इस पवित्र धाम को भव्य स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सहयोग की पुनः अपील

मंदिर के पूर्ण पुनर्निर्माण के लिए अनुमानित लागत के लक्ष्य को प्राप्त करने तथा शेष निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने के उद्देश्य से मंदिर निर्माण समिति ने छुरा नगर एवं आसपास के क्षेत्र के समस्त श्रीराम प्रेमी भक्तजनों, धर्मप्रेमियों एवं श्रद्धालुओं से अपनी श्रद्धा और सामर्थ अनुसार आर्थिक सहयोग प्रदान करने की विनम्र अपील की है समिति का विश्वास है कि जिस प्रकार अब तक भक्तों ने अपनी आस्था, श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार सहयोग देकर इस संकल्प को आगे बढ़ाया है, उसी प्रकार सभी के सामूहिक प्रयासों से मंदिर निर्माण का यह सपना भी साकार होगा। यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर बनेगा। यह केवल पत्थरों और भवन का निर्माण नहीं, बल्कि नगर की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सनातन परंपरा के संरक्षण का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। अपने ही नगर में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण होते देखना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मंदिर निर्माण समिति ने समस्त श्रीराम भक्तों से आह्वान करते हुए कहा, "आइए, प्रभु श्रीराम के इस पावन धाम के निर्माण में आप भी सहभागी बनें। आपके द्वारा समर्पित प्रत्येक राशि केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि आपकी श्रद्धा, आपके परिवार की आस्था और अपने पूर्वजों के प्रति सम्मान का प्रतीक बनेगी। अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान कर इस ऐतिहासिक निर्माण यात्रा में सहभागी बनें। आपका एक छोटा-सा सहयोग, प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण में आपका अपना एक पत्थर होगा।" स्वयं विचार करें

सहजयोग से प्राप्त करें देवी कवच का क्रियात्मक संरक्षण

प पू श्री माताजी प्रणित सहजयोग एक नैसर्गिक, शास्त्रीय (Scientific) और आध्यात्मिक ध्यान पद्धति है। इस ध्यान पद्धति को नैसर्गिक इसलिये कहा जाता है, क्योंकि सामूहिक आत्म साक्षात्कार देने की इस विधा में पंच महाभूतों का उपयोग किया जाता है। प.पू श्री माताजी द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त साधक की कुंडलिनी शक्ति बड़ी सहजता से उर्ध्वगामी होकर हर दिन के ध्यान द्वारा पोषित होकर, साधक को निर्विचारिता का निरानंद प्रदान करती है। नवरात्रि के दिनों में हम माँ दुर्गा का पूजन-अर्चन कर देवीकवच का पाठ करते हैं। देवी कवच अर्थात् माँ दुर्गा का संपूर्ण संरक्षण हमें इस कवच से प्राप्त होता है।



नवरात्रि में हम नवदुर्गा का पूजन, अर्चन और ध्यान करते हैं। माता शैलपुत्री, ब्रम्हचारिणी, चंद्रघन्टा कुष्मांडा स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, सिद्धिदात्री तथा महागौरी आदि रूपों में पूजित माँ भगवती आदिशक्ति एक-एक रूप धारण कर साधक सूक्ष्मातिसूक्ष्म अवयवों का रक्षण कर साधक को विविध आपदाओं से बचाती हैं। ये सारी देवीयां विविध अंलकारों से युक्त और योग शाक्तियों से संपन्न हैं। उन्होंने अपने हाथों में शंख, चक्र, गदा, हल, मूसल, खेटक, तोमर इत्यादि विविध आयुध इसलिये धारण किये हुए हैं कि ये अपने भक्तों को अभयदान देकर संरक्षित कर सकें और सारी दुष्ट शक्तियों का विनाश कर सकें।

विभिन्न शक्तियों से संपन्न ये सारी देवीयां हमारे पांव के नाखूनों से सिर के बाल तक हमारे सारे आंतरिक अवयव, हमारी स्थावर व जंगम संपत्ति, हमारे गोत्र, पुत्र-पौत्रादि की रक्षा करती हैं।

इस पृथ्वी पर उपस्थित सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों का दुष्प्रभाव इनकी कृपा से समाप्त हो जाता है। देवी का यह कवच देवताओं के लिये भी दुर्लभ है। कवच से सुरक्षित मनुष्य निर्भय हो जाता है, उसकी सारी आध्यात्मिक, अधिभौतिक और अधिदैविक व्याधियां सभी नष्ट हो जाती हैं। सहजयोग में श्री माताजी ने देवी कवच का क्रियात्मक स्वरूप प्रदान किया है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के बाद साधक के मूलाधार में स्थित कुंडलिनी शक्ति ऊर्ध्वगामी होकर ब्रह्माण्ड में स्थित ऊर्जा से साधक का योग घटित कराती है योग की यह जीवंत क्रिया जब साधक के अंतरंग में घटित होती है तब उसकी उंगलियों के पोरों से और तालू भाग से शीतल चैतन्य लहरियां (positive protective energy) बहने लगती हैं। इन चैतन्य लहरियों की मदद से साधक अपने हाथों से अपनी शक्ति को उठाकर बंधन लेकर अपने सातों चक्रों को कवच (संरक्षण) में बाँध लेता है।

जब आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति इस प्रकार का क्रियात्मक कवच लेता है तब उस व्यक्ति के इर्द-गिर्द सकारात्मक ऊर्जा का एक वलय तैयार होता है और वह वलय साधक को सारी दुष्ट, नकारात्मक शक्ति से बचाकार उसके अंग-प्रत्यंगो की रक्षा करता है। देवी कवच में वर्णित सारे आशीर्वादों का जीवंत अनुभव प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान में आपका स्वागत है। सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से या sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

जनसुनवाई में आवास, राशन कार्ड, आधार और आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मामलों पर हुई कार्यवाही

धर्मेन्द्र गुप्ता

कलेक्टर ने स्वयं आवेदकों के बीच पहुंचकर की सुनवाई, एक-एक आवेदनकर्ता से किया संवाद

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान निर्धारित बैठक व्यवस्था तक सीमित ना रहकर सीधे आवेदकों के बीच जाकर एक-एक आवेदक से संवाद किया। उन्होंने प्रत्येक समस्या को ध्यानपूर्वक सुना तथा मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याएं हल कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आवास, बिजली, सीमांकन, राशन कार्ड, आधार और आर्थिक सहायता सहित विभिन्न मामलों पर कार्यवाही हुई। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज जनसुनवाई में 150 से अधिक आवेदनों की सुनवाई की। जिन आवेदनों की समस्याएं मौके पर ही हल किया जाना संभव था उनकी समस्याएं मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश देकर हल कराई गईं। कई आवेदकों ने कलेक्टर के समक्ष खुलकर अपनी समस्याएं और परेशानियां रखीं, जिसमें विदिशा के दुर्जनपुरा निवासी श्री मोहन बाबू ने आवास योजना अंतर्गत कुटी दिलाए जाने का आवेदन प्रस्तुत किया कलेक्टर ने मौके पर ही सीएमओ को निर्देश दिए और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर आवेदक का नाम सूची में दर्ज है तो उन्हें राशि मुहैया कराने के निर्देश दिए। ग्राम पीपलखेड़ा खुर्द के ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि ग्राम में श्मशान घाट जाने वाले रास्ते को चीरा गाड़कर बंद किया गया है उन्होंने बंद रास्ते को खुलवाने का निवेदन किया था। कलेक्टर ने जनसुनवाई में वर्चुअली जुड़े संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों से वीसी के माध्यम से संवाद किया और निर्देश दिए कि शमशान घाट के बंद रास्ते



को मौके पर जाकर खुलवाया जाए। इसी प्रकार विदिशा के हरिपुरा निवासी श्री केशव पंथी ने गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनवाने और श्रीमती ललिता बाई ने कल्याणी विवाह योजना का लाभ दिलाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया इन दोनों आवेदनों में पात्रता अनुरूप योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए संबंधित विभागों को मौके पर ही कलेक्टर ने निर्देश दिए। इस दौरान विदिशा के लोहांगी मोहल्ला निवासी श्रीमती जानकी बाई ने स्वास्थ्य कारणों के चलते इलाज के लिए आर्थिक सहायता दिलाने की बात कही, इस आवेदन पर भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया है।जनसुनवाई में इन आवेदनों पर भी हुई कार्यवाही जनसुनवाई के दौरान ग्राम जोहद निवासी श्रीमती कुसुम बाई ने शासकीय विद्यालय में मध्यान्ह भोजन निर्माण कार्य के दौरान किए गए कार्य के एवज में दो माह 18 दिवस का लंबित वेतन भुगतान कराए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने संबंधित अधिकारी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर लंबित वेतन राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में वैशाली नगर, विदिशा निवासी हर्ष धाकड़ ने आधार कार्ड में त्रुटि सुधार तथा ग्राम गूलरखेड़ी निवासी अंश रैकवार ने आधार कार्ड में जन्मतिथि संशोधन कराने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। दोनों प्रकरणों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, जिसके बाद आधार संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कर दी गई। इसके अतिरिक्त सिरोंज तहसील निवासी श्री सौदान सिंह ने मृत भैंस की मुआवजा राशि प्राप्त करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने प्रकरण की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए पात्रता अनुसार मुआवजा राशि का लाभ दिलाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

नागरिक सुविधाओं से सुसज्जित जनसुनवाई व्यवस्थाः स्वास्थ्य जांच, आधार एवं आयुष्मान सेवाएं भी उपलब्ध

जनसुनवाई व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक, सुगम एवं नागरिक-केंद्रित बनाया गया है। जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई में पहुंचने वाले आवेदकों को अब पंजीयन, पावती वितरण, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा पेयजल जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनसुनवाई परिसर में विशेष स्वास्थ्य जांच काउंटर स्थापित किया गया है। यहां आने वाले लोगों की बीपी, शुगर सहित अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य जांचें निःशुल्क की जा रही हैं तथा आवश्यकता अनुसार दवाओं का भी निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। इसके साथ ही जनसुनवाई दिवस पर आधार सेवा केंद्र का संचालन भी किया जा रहा है, जहां नागरिकों के आधार कार्ड में त्रुटि सुधार, जन्मतिथि संशोधन एवं नवीन आधार कार्ड बनाने जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। वहीं पात्र हितग्राहियों की सुविधा के लिए आयुष्मान कार्ड निर्माण की व्यवस्था भी जनसुनवाई स्थल पर ही सुनिश्चित की गई है। इन नवाचारों के माध्यम से जिला प्रशासन जनसुनवाई को केवल शिकायत निवारण का माध्यम ही नहीं, बल्कि नागरिक सेवाओं की एकीकृत व्यवस्था के रूप में विकसित कर रहा है, ताकि आमजन को शासन की विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर सहजता से प्राप्त हो सकें।

धर्मेंद्र लोधी का दिग्विजय सिंह पर तीखा हमला, बोले- सनातन की बात करते हैं तो कालनेमि नजर आते हैं

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजनीति में नेताओं के बीच बयानबाजी का दौर लगातार जारी है। इसी बीच प्रदेश सरकार में मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर तीखा हमला बोला है। मंत्री लोधी ने दिग्विजय सिंह की तुलना रामायण के पात्र कालनेमि राक्षस से करते हुए उनके राजनीतिक बयानों और राम मंदिर से जुड़े रुख पर सवाल उठाए। उनके इस बयान ने प्रदेश की सियासत में एक बार फिर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को चर्चा में ला दिया है। दिग्विजय सिंह पर क्यों भड़के मंत्री धर्मेंद्र लोधी?- मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने दिग्विजय सिंह को निशाने पर लेते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस नेता के बयानों पर हंसी आती है और दुनिया के लोग भी उन पर हंसते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह का राजनीतिक रुख राम मंदिर और रामसेतु जैसे धार्मिक विषयों को लेकर हमेशा सवालों के घेरे में रहा है। लोधी ने कहा कि जब दिग्विजय सिंह सनातन धर्म की बात करते हैं, तो उन्हें उनमें रामायण का कालनेमि राक्षस नजर आता है। मंत्री की इस टिप्पणी को कांग्रेस नेता के धार्मिक मुद्दों पर दिए गए बयानों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन विदिशा शाखा की वार्षिक बैठक व नवीन कार्यकारिणी घोषित

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा - अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन विदिशा शाखा की वार्षिक सभा आज विलेज डेक रिसॉर्ट, उदयगिरि रोड, विदिशा पर सफलतापूर्वक संपन्न हुई।बैठक की शुरुआत उदयगिरि नसिया जी मे श्री 1008 शीतलनाथ भगवान के अभिषेक,भक्तिमय पूजन से की गई जिसमें बड़ी संख्या में सभी सदस्यों ने सपरिवार सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया।तत्पश्चात विलेज डेक रिसोर्ट में सभा में सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें युवाओं में नई ऊर्जा का संचार करने एवं संगठन को नई दिशा देने के उद्देश्य से युवा चेहरों को दायित्व सौंपा गया। नवीन कार्यकारिणी इस प्रकार है अध्यक्ष अंशुल लश्करी,उपाध्यक्ष आशीष जैन अल्टीमेट,मंत्री राहुल बड़कुल,सहमंत्री पीयूष सिंघई,कोषाध्यक्ष ऋषिराज जैन खादी भंडार ,प्रवक्ता शोभित जैन जैन ऑप्टिकल्स,सांस्कृतिक मंत्री प्रिंस जैन निर्विरोध चुने गये। पूर्व मंत्री अक्षय सिंघई द्वारा



बैठक का संचालन किया गया वही श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष मलुकचंद जैन,डॉ एम एल जैन,एड चक्रवर्ती जैन,वीरेंद्र मानपुर,राजीव अलंकार व परवार समाज समिति अध्यक्ष शिखरचंद जैन ,अविरल सिंघई,चिन्मय बड़कुल आदि की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष मनीष जैन व पदाधिकारियों ने नवीन टीम को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि नई टीम अपनी ऊर्जा, समर्पण, एकजुटता एवं समाजसेवा की भावना से फेडरेशन को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी।कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां भी सम्पन्न हुई जिसमें कपल गेम्स ,बच्चों के गेम्स ,तंबोला आदि रीतेश जैन करैया द्वारा करवाये गये जिसमें सभी युवाओं व बच्चों को बहुत आनंद आया।कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों ने जैन समाज की सेवा एवं संस्कारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।सहयोगी श्री शीतल नाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर ट्रस्ट, किला अंदर विदिशा,श्री कुंद कुंद दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल ट्रस्ट, विदिशा,परवार समाज समिति विदिशा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नवरात्रि का पावन पर्व हिंसक वृत्तियों पर विजय प्राप्त कर स्वयं में दिव्यता धारण करने की प्रेरणा देता है- ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली, बरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र के पावन प्रांगण में नवरात्रि के पावन अवसर पर चैतन्य देवियों की अद्भुत एवं मनमोहक झांकी सजाई गई। इस अवसर पर नवदुर्गा के आध्यात्मिक रहस्यों को स्पष्ट करते हुए देवी स्वरूपों के माध्यम से जीवन में दैवी गुणों को धारण करने तथा आंतरिक बुराइयों पर विजय प्राप्त करने का संदेश दिया गया। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने कहा कि नवरात्रि का पर्व केवल देवी आराधना और उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह स्वयं को दैवी गुणों से सुसज्जित करने तथा अपने भीतर की आसुरी वृत्तियों का अंत करने की प्रेरणा देने वाला पर्व है। देवी मां वात्सल्य, पवित्रता, सात्त्विक प्रेम, सर्व के प्रति समदृष्टि, शुभ संकल्प और कल्याणकारी भावना की प्रतीक हैं। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें भी सभी आत्माओं के प्रति स्नेह, करुणा और अपनेपन का भाव रखना चाहिए। जगदंबा के समान सर्व के कल्याण की भावना रखते हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास करना चाहिए। दीदी ने कहा कि नवरात्रि हमें अपनी हिंसक वृत्तियों, क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और अन्य विकारों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देती है। देवी-देवताओं के विभिन्न स्वरूपों एवं उनके हाथों में धारण किए गए अस्त्र-शस्त्रों का भी गहन आध्यात्मिक रहस्य है। देवी के हाथों में माला परमात्मा शिव की याद का प्रतीक है, जबकि ज्ञान रूपी बाण से विकारों का संहार करने का संदेश मिलता है। इसी प्रकार कमल का फूल, त्रिशूल, सुदर्शन चक्र, तलवार, शंख और गदा आदि आध्यात्मिक शक्तियों एवं जीवन मूल्यों के प्रतीक हैं।

उन्होंने बताया कि देवियों को अष्टभुजाधारी दर्शाना मनुष्य में निहित आठ विशेष शक्तियों का प्रतीक है। इनमें सामना करने की शक्ति, निर्णय करने की शक्ति, सहन करने की शक्ति, सहयोग करने की शक्ति, समेटने की शक्ति, परखने की शक्ति, समाने की शक्ति तथा विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति शामिल हैं। इन शक्तियों को जीवन में अपनाकर व्यक्ति कठिन परिस्थितियों का सामना सहजता से कर सकता है और अपने मन को शांत एवं स्थिर रख सकता है। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिस प्रकार आदिशक्ति मां दुर्गा ने तपस्या एवं त्याग के बल पर परमात्मा शिव से शक्ति प्राप्त कर आसुरी शक्तियों पर विजय प्राप्त की, उसी प्रकार हम सभी परमपिता परमात्मा शिव द्वारा सिखाए गए राजयोग का अभ्यास करके अपने जीवन में दैवी गुणों को धारण कर सकते हैं। जब हम स्वयं को बुराइयों और दुर्गुणों से मुक्त कर परमात्मा से शक्ति प्राप्त करते हैं, तब विषम परिस्थितियों में भी अपने मन और बुद्धि को स्थिर, एकाग्र एवं शांत रख सकते हैं। इससे जीवन में सच्ची खुशी, संतुष्टता और आंतरिक शांति का अनुभव होता है। दीदी ने देवी के विभिन्न स्वरूपों का आध्यात्मिक अर्थ स्पष्ट करते हुए बताया कि दुर्गा का स्वरूप हमें परमपिता परमात्मा से संबंध जोड़कर दुर्गुणों से दूर रहने की प्रेरणा देता है। गायत्री का अर्थ मन को प्रसन्न एवं आनंदित रखना है, जबकि उमा का स्वरूप जीवन में उमंग और उत्साह बनाए रखने का संदेश देता है। संतोषी हमें हर परिस्थिति में संतुष्ट रहने की शिक्षा देती हैं। काली का वास्तविक आध्यात्मिक अर्थ अपने भीतर की आसुरी वृत्तियों एवं विकारों के प्रति शक्तिशाली बनकर उनका समूल नाश करना है। उन्होंने आगे बताया कि मां लक्ष्मी ज्ञान रूपी धन एवं श्रेष्ठ गुणों को धारण करने का प्रतीक हैं, जबकि मां वैष्णवी का स्वरूप काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकारों पर विजय प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। इसके लिए परमात्मा शिव से संबंध जोड़कर उनसे आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करना आवश्यक है। परमपिता परमात्मा शिव ज्ञान के सागर हैं। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान को जीवन में धारण करना ही विकारों पर विजय प्राप्त करने का सच्चा मार्ग है। जिस प्रकार गंगा की धारा पवित्रता का प्रतीक है, उसी प्रकार परमात्मा के ज्ञान को अपने जीवन में अपनाकर हम अपने विचारों, संस्कारों और कर्मों को श्रेष्ठ बना सकते हैं। नवरात्रि का वास्तविक संदेश यही है कि हम केवल देवी की पूजा न करें, बल्कि उनके दिव्य गुणों को अपने जीवन में धारण करें। अपने भीतर की बुराइयों पर विजय प्राप्त कर पवित्रता, शांति, प्रेम, करुणा और शक्ति से परिपूर्ण जीवन बनाएं। यही सच्ची देवी आराधना और नवरात्रि पर्व की सार्थकता है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

वीरेंद्र चौहान रणजीत टाइम्स

हरदा/ कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव,डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्वेता बम्होरे एवं श्री असवनराम चिरामन सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम जिजगांव खुर्द निवासी कैलाश पिता जागेश्वर ने दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को आवेदक की पात्रता का परिक्षण कर पात्रता अनुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने के निर्देश दिये। ग्राम मगरधा निवासी नरेन्द्र गौर ने अपनी कृषि भूमि से अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। हरदा निवासी शरीफ खां ने जनसुनवाई में आवेदन देकर अपनी पुट्टी मशीन व ग्लेण्डर मशीन का किराया भुगतान कराने तथा मशीन वापस दिलाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर श्रम पदाधिकारी हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। हरदा निवासी ओमप्रकाश शर्मा व अनिल मालवीया ने विद्युत बिल अधिक आने के संबंध में शिकायत की, जिस पर विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारी को आवेदकों की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में हरदा निवासी कृष्ण कुमार बांके ने ग्राम पंचायत छीपानेर में लगाये गये सीसी टीवी कैमरे का भुगतान न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत टिमरनी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम ढेगाढाना निवासी बच्चू



यादव ने गांव में हेण्डपम्प लगवाने हेतु आवेदन दिया, जिस पर कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को ग्रामीणों की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में सेवा निवृत्त शिक्षक तुलसीराम अहिरवार ने सेवा निवृत्ति उपरान्त मिलने वाली राशि का भुगतान न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

एमटीएच अस्पताल डिलीवरी लापरवाही मामला: राष्ट्रीय आयोग व कलेक्टर की सख्ती के बाद, NHM भोपाल ने बैठाई जांच टीम और मांगे केस पेपर

(विशेष संवाददाता):

इंदौर के महाराजा तुकोजीराव (एमटीएच) अस्पताल में प्रसव के दौरान हुई गंभीर चिकित्सीय लापरवाही का मामला अब तूल पकड़ चुका है। प्रसव में हुई देरी और गलत चिकित्सकीय पद्धतियों के कारण नवजात बच्ची के दिमाग को स्थायी क्षति पहुंच गई है, जिससे वह आजीवन दिव्यांगता का शिकार हो गई है।

इस मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR), नई दिल्ली और कलेक्टर कार्यालय इंदौर की सख्ती के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), भोपाल ने बिंदुवार जांच कराने के आदेश जारी कर दिए हैं।

15 घंटे का लेबर पेन और वैक्यूम का गलत प्रयोग

ग्राम गारी पिपलिया (माँगलिया, इंदौर) निवासी पूजा मंगरोलिया पति दिनेश मंगरोलिया को 19 मई 2025 को एमटीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों व पीड़िता के बयानों के अनुसार, लगभग 14-15 घंटे तक प्रसव पीड़ा झेलने के बावजूद परिजनों की सी-सेक्शन (ऑपरेशन) की मांग को स्टाफ ने नजरअंदाज कर दिया। आरोप है कि प्रसव के दौरान जूनियर स्टाफ द्वारा वैक्यूम एक्सट्रैक्टर (Vacuum Extractor) का अनुचित और अत्यधिक प्रयोग किया गया, जिससे बच्ची के सिर पर गंभीर चोट आई और ऑक्सीजन की भारी कमी हो गई। इसके कारण मासूम HIE Grade-2 और Encephalomalacia (मस्तिष्क का क्षतिग्रस्त होना) जैसी गंभीर बीमारियों की चपेट में आ गई है, जिसके चलते वह आज पूर्णतः दूसरों पर निर्भर है।



हाईकोर्ट वकील के लीगल नोटिस के बाद जागा प्रशासन

पीड़ित परिवार के अधिवक्ता शिवम उपाध्याय (उच्च न्यायालय, इंदौर) के मार्गदर्शन और लीगल नोटिस के माध्यम से इस कानूनी लड़ाई की शुरुआत हुई। इसके आधार पर क्षेत्रीय स्वास्थ्य संचालक और राष्ट्रीय स्तर के आयोगों ने संज्ञान लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (भोपाल) ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है और पूरे प्रकरण की बिंदुवार जांच रिपोर्ट मांगी है। जांचकर्ता अधिकारी एवं वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. स्मिता तिवारी ने एमटीएच अस्पताल अधीक्षक और एसएनसीयू (SNCU) इंचार्ज को बच्ची की संपूर्ण मेडिकल फाइल व केस पेपर तुरंत जांच टीम को सौंपने के निर्देश दिए हैं। इस जांच दल की प्रतिलिपि एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता, सीएमएचओ इंदौर, प्रो. डॉ. सुमित्रा यादव (FOGSI President), डॉ. हेमंत गुप्ता (DHO-1), डॉ. प्रवीण जड़िया (शिशु रोग विशेषज्ञ) और डॉ. ज्योति सिमलोट (स्त्री रोग विशेषज्ञ) को भी भेजी गई है।

कलेक्टर कार्यालय का 7 दिन का अल्टीमेटम

दूसरी ओर, पिता दिनेश मंगरोलिया की शिकायत पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) (पत्र क्रमांकः MP-100634/2026-27) ने कड़ा रुख अपनाया है। आयोग के निर्देश पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कार्यालय, इंदौर (आदेश क्रमांक 966/अ.कौ.-5/2026) द्वारा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) को पत्र भेजकर 7 दिनों के भीतर पूरी जांच आख्या प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। पीड़ित परिवार की मुख्य मांगें (अधिवक्ता शिवम उपाध्याय के माध्यम से):

सख्त कार्रवाईः लापरवाह चिकित्सकों और संबंधित जूनियर स्टाफ पर अनुशासनात्मक व कानूनी कार्रवाई की जाए।

आजीवन इलाज

गरीबी रेखा के नीचे जीवन बसर करने वाले इस परिवार की मासूम बेटी के आजीवन इलाज की संपूर्ण व्यवस्था शासन द्वारा की जाए।

मुआवजा

परिवार को हुए मानसिक, शारीरिक, आर्थिक नुकसान और कानूनी कार्रवाई में हुए खर्च का समुचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

देवास जिले के बारोली की दलित बेटी के साथ कथित यौन शोषण का मामला, अखिल भारतीय बलाई महासंघ ने थाना बरोठा का किया घेराव

खुशबू श्रीवास्तव

पीड़िता को न्याय दिलाने और आरोपी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग, मकान पर वैधानिक कार्रवाई की भी उठाई मांग





देवास जिले के ग्राम बारोली में दलित समाज की एक बेटी के साथ कथित यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे रियाज पिता नौशाद मंसूरी ने दलित समाज की बेटी के साथ यौन शोषण किया । मामले की जानकारी मिलने पर पीड़ित परिवार ने अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज जी परमार से संपर्क कर न्याय की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज जी परमार ने तत्काल महासंघ के पदाधिकारियों को सक्रिय किया और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए थाना बरोठा पहुंचकर पुलिस प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखने के निर्देश दिए।

इसके बाद महासंघ के पदाधिकारियों ने थाना बरोठा पहुंचकर घेराव किया और मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पदाधिकारियों ने आरोपी के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने तथा पीड़िता और उसके परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। महासंघ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, पुलिस ने मामले में कथित यौन अपराध, पॉक्सो एक्ट तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। हालांकि, संबंधित धाराओं और प्रकरण की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि पुलिस से की जानी शेष है। प्रदर्शन के दौरान महासंघ के पदाधिकारियों ने आरोपी के मकान को जमींदोज करने की मांग भी उठाई। महासंघ का कहना है कि महिलाओं और बेटियों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में निष्पक्ष जांच, त्वरित कानूनी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। किसी भी संपत्ति पर कार्रवाई कानून और प्रशासनिक प्रक्रिया के अनुसार की जानी चाहिए थाना प्रभारी सविता सिंह ओर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मयंक वर्मा ने मकान जमींदोज करने की ओर जिहादियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया । इस दौरान मुख्यरूप से लोकेश मालवीय, प्रशांत चौहान, दीपक सोलंकी, सोहन, मोनू मिथौरिया, भरत बिल्लौरे, विशाल दंतोदिया, रितेश परिहार, मानस वर्मा, बबलू बंजारा, अमित चनाल, विपिन शर्मा, करण केवट, संजय धाकड़ एवं सोनू चौहान सहित महासंघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अखिल भारतीय बलाई महासंघ ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा एवं न्याय उपलब्ध कराया जाए।

भोपाल में 1300 एकड़ शत्रु संपत्ति की जांच, प्रशासन को 14 दिन की मोहलत



भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में करीब 1300 एकड़ शत्रु संपत्ति को लेकर प्रशासन ने जांच की तैयारी तेज कर दी है। संबंधित अधिकारियों को अगले 14 दिनों में संपत्तियों की पहचान कर उनकी सूची तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही 31 अक्टूबर तक डिजिटल अभिलेख अद्यतन कर शासन को रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य शत्रु संपत्तियों का वास्तविक ब्योरा जुटाना, उनके स्वामित्व और वर्तमान स्थिति का सत्यापन करना तथा अवैध कब्जों की पहचान करना है।

प्रशासन को भूमि के उपलब्ध राजस्व अभिलेखों, संपत्ति संबंधी दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड का मिलान करना होगा, ताकि किसी संपत्ति की स्थिति को लेकर भ्रम न रहे। शत्रु संपत्ति वह संपत्ति होती है जो निर्धारित कानूनी प्रावधानों के तहत शत्रु देश से संबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं की मानी जाती है और जिसका प्रबंधन केंद्र सरकार के अधीन अभिरक्षक द्वारा किया जाता है। ऐसी संपत्तियों के मामलों में कार्रवाई संबंधित कानून और अभिलेखों के आधार पर ही की जा सकती है।

अब प्रशासन के सामने तय समयसीमा में पूरी सूची तैयार करने और रिकॉर्ड की विसंगतियां दूर करने की चुनौती है। जांच के दौरान यह भी महत्वपूर्ण होगा कि वास्तविक शत्रु संपत्ति की पहचान प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर हो तथा किसी वैध स्वामित्व वाले व्यक्ति के अधिकार प्रभावित न हों। 31 अक्टूबर तक शासन को भेजी जाने वाली रिपोर्ट से स्पष्ट होगा कि कितनी संपत्तियों का सत्यापन पूरा हुआ और कितने मामलों में आगे की कार्रवाई की आवश्यकता है।



न्यूजीलैंड के खिलाफ इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से

पंत बाहर, कुशाग्र को मौका मिला

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत लेफ्ट-साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के आगामी दौरे पर इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी सोमवार को दी। पंत का इस दौरे पर खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर था। 1-4 अक्टूबर के बीच ईरानी कप में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए उन्हें वायरल बुखार हो गया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 29 वर्षीय पंत मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और लिंकन में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने पहले दो मुकाबलों के लिए पंत की जगह कुमार कुशाग्र को चुना है।'



झारखंड के 21 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कुशाग्र, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए की टीम में शामिल हुए हैं। इस टीम में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, आकिब नबी, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर जैसे सितारे भी मौजूद हैं।

कुशाग्र पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के रेड-बॉल मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करके आ रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में 113 और 46 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाई थी।

इंडिया-ए की अपडेटेड टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन स्मरण, वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठौड़, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर) (पहले और दूसरे मैच के लिए)।

पाक टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान

कुसल मेंडिस करेंगे कप्तानी

कोलंबो। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम की कमान कुसल मेंडिस संभालेंगे। यह पहला मौका है जब कुसल श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। मेंडिस को वनडे और टी20 टीम की कमान सौंपे जाने के बाद अब टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। ऐसे में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ ही बतौर कप्तान भी उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। मेंडिस को कप्तानी पिछले सप्ताह धनंजय डी सिल्वा के टेस्ट कप्तान का पद छोड़ने के बाद सौंपी गई है। डी सिल्वा जनवरी 2024 से इस फॉर्मेट में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे। उन्होंने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने की जरूरत बताई थी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) सिलेक्शन कमिटी ने गुरुवार को बोर्ड के मुख्यालय में हुई मीटिंग में मेंडिस की बतौर टेस्ट कप्तान नियुक्ति की। विकेटकीपर-बल्लेबाज को सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी अनुभव है। वह 75 टेस्ट मैचों में 4,836 रन बना चुके हैं, जिसमें 10 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। मेंडिस को मई में श्रीलंका का वनडे और टी20 कप्तान बनाया गया था। उन्होंने वनडे कप्तान के रूप में चरिथ असलांका और टी20 में दासुन शनाका की जगह ली थी। टेस्ट कप्तान के तौर पर उनकी नियुक्ति अब उन्हें तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में कप्तान बनाती है।

एमएस धोनी में क्रिकेट बाकी

आईपीएल 2027 में खेलने का फैसला उनका होगा: सीएसके सीईओ विश्वनाथन

चेन्नई। आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।' धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं।



आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं। चेपॉक में सीएसके के पारंपरिक लैप ऑफ ऑनर में धोनी के हिस्सा लेने के बाद, रैना ने कहा कि उन्होंने आईपीएल 2027 के लिए उनसे वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 को मिस कर दिया। यह नहीं गिना जाएगा।

गठिया या सामान्य जोड़ों का दर्द? इन लक्षणों से पहचानें अंतर, कम उम्र में भी रहें सतर्क

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

जोड़ों में दर्द को अक्सर थकान, बढ़ती उम्र या कामकाज का असर मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लेकिन यही दर्द गठिया यानी अर्थराइटिस का संकेत भी हो सकता है। यह समस्या केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, युवाओं में भी इसके मामले सामने आते हैं। समय पर पहचान नहीं होने पर कुछ प्रकार के गठिया जोड़ों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकते हैं।



सामान्य दर्द और गठिया में क्या अंतर है?

अधिक काम करने, व्यायाम या चोट के कारण होने वाला सामान्य दर्द अक्सर आराम करने से कम हो जाता है। इसके विपरीत, गठिया में दर्द बार-बार हो सकता है और इसके साथ जोड़ों में सूजन, अकड़न तथा चलने-फिरने में परेशानी भी हो सकती है। सुबह उठने पर जोड़ों में लंबे समय तक अकड़न रहना, घुटनों, कूल्हों, कोहनी या हाथों की उंगलियों में दर्द होना और प्रभावित जोड़ को हिलाने में कठिनाई महसूस होना भी चेतावनी के संकेत हैं। कुछ प्रकार के गठिया में जोड़ गर्म और लाल भी हो सकते हैं।

कम उम्र में क्यों हो सकता है गठिया?- इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। कुछ प्रकार के गठिया प्रतिरक्षा प्रणाली की गड़बड़ी से जुड़े होते हैं, जबकि अन्य में चोट, आनुवंशिक प्रवृत्ति, अधिक वजन या जोड़ों पर लगातार दबाव भूमिका निभा सकते हैं। क्या करें? लगातार दर्द या सूजन होने पर चिकित्सक से जांच कराएं। जरूरत के अनुसार रक्त जांच और जोड़ों की तस्वीरें लेने वाली जांच की जा सकती हैं। केवल लक्षणों के आधार पर गठिया की पुष्टि नहीं होती। समय पर पहचान और उचित उपचार से दर्द नियंत्रित करने तथा जोड़ों को नुकसान से बचाने में मदद मिल सकती है।

गठिया के दर्द में बार-बार पेनकिलर लेना पड़ सकता है भारी, किडनी और पेट पर बढ़ सकता है खतरा

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

गठिया के दर्द से परेशान लोग अक्सर तुरंत राहत पाने के लिए दर्द निवारक दवाओं का सहारा लेते हैं। लेकिन बार-बार बिना चिकित्सकीय सलाह के ऐसी दवाएं लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। खासकर ४० वर्ष की उम्र के बाद जोड़ों में लगातार दर्द, सूजन और अकड़न होने पर केवल दर्द दबाने के बजाय उसकी असली वजह जानना जरूरी है। गठिया कम उम्र में भी हो सकता है।

दर्द निवारक दवाएं कितनी सुरक्षित?

इबुप्रोफेन, डाइक्लोफेनाक और नैप्रोक्सेन जैसी कुछ दर्द निवारक दवाओं के लगातार या अधिक इस्तेमाल से पेट में जलन, अल्सर, आंतरिक रक्तस्राव, गुर्दों को नुकसान और रक्तचाप बढ़ने का खतरा हो सकता है। कुछ लोगों में हृदय संबंधी जोखिम भी बढ़ सकता है। खतरा व्यक्ति की उम्र, पहले से मौजूद बीमारियों, दवा की मात्रा और इस्तेमाल



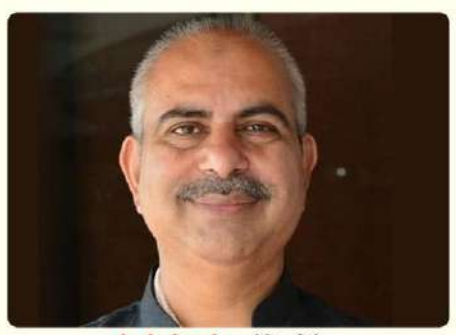
की अवधि पर निर्भर करता है। दर्द दबाना इलाज नहीं: गठिया में बार-बार दवा लेने के बजाय सही उपचार जरूरी है। चिकित्सक दर्द के प्रकार और मरीज की अन्य बीमारियों के आधार पर दवा की मात्रा और अवधि तय कर सकते हैं। दर्द कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह से व्यायाम, फिजियोथेरेपी, वजन नियंत्रित रखने और कुछ मामलों में प्रभावित जोड़ पर लगाने वाली दवाओं का सहारा लिया जा सकता है। यदि दर्द निवारक दवा लेने के बाद काला मल आए, खून की उल्टी हो या पेट में तेज दर्द हो, तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

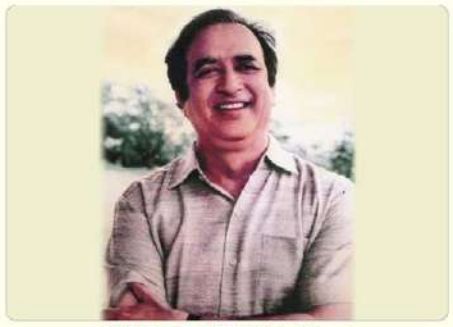
स्व. नागपाल की स्मृति में पीएचडी धारक पत्रकारों का अभिनन्दन आज

पत्रकारिता महोत्सव की प्रतियोगिता के विजेताओं को मिलेंगे 1 लाख रू. के नगद पुरस्कार

इंदौर। भारतीय पत्रकारिता महोत्सव की समापन बेला में बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3:30 बजे अभिनव कला समाज सभागार में इंदौर के पीएचडी धारक पत्रकारों और मीडिया शिक्षकों का अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया है। समारोह में महोत्सव के दौरान आयोजित तीन तात्कालिक रिपोर्टिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को एक लाख रुपए के नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, म.प्र. मनोज श्रीवास्तव होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक रशीद किदवई करेंगे। महोत्सव के निदेशक और स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने बताया कि शिक्षाविद एवं लेखक डॉ. ओम नागपाल एवं साहित्यकार वीणा नागपाल की स्मृति में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. मानसिंह परमार, डॉ. प्रकाश हिन्दुस्तानी, डॉ. सोनाली नरगुंदे,डॉ.चंदन गुप्ता,डॉ. अमित मंडलोई, डॉ. जितेन्द्र व्यास, डॉ. जितेंद्र जाखेटिया, डॉ. जमना मिश्रा, डॉ. क्रांति चतुर्वेदी, डॉ. आरती मंडलोई, डॉ. विनोद सिंह, डॉ. राजू जान, डॉ. मनीष काले, डॉ. सुनील जोशी, डॉ. अभय नीमा, डॉ. अनुराधा शर्मा, डॉ. रोशनी सोलंकी, डॉ. सीमा उईके, डॉ. शिवली, डॉ. विवेकवर्धन श्रीवास्तव, डॉ. लखन रघुवंशी, डॉ. नारायण पाटीदार, डॉ. रागिनी दीक्षित, डॉ. कामना लाड, डॉ. नीलमेघ चतुर्वेदी, डॉ. सिद्धार्थ माछीवाल, डॉ. हिना तिवारी, डॉ. राजीव शर्मा, डॉ. संतोष पाटीदार, डॉ. रागिनी दीक्षित, डॉ. सुशीम पगारे, डॉ. प्रतीक श्रीवास्तव, डॉ. पंकज विरमाल, डॉ. माला सिंह ठाकुर आदि का अभिनन्दन पत्र भेंट कर अभिनन्दन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विगत 2, 3 एवं 4 अक्टूबर 2026 को स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित महोत्सव में तीनों दिन वरिष्ठ पत्रकार देवदान मित्रा, मिलिंद खांडेकर एवं शिशिर सिन्हा की मास्टर क्लास का आयोजन किया गया था।


श्री मनोज श्रीवास्तव, आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, म.प्र.


श्री रशीद किदवई, राजनीतिक विश्लेषक


श्री ओम नागपाल, शिक्षाविद एवं लेखक


श्रीमती वीणा नागपाल , साहित्यकार

विभिन्न कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए इन मास्टर क्लास में तात्कालिक रिपोर्टिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम की घोषणा कल बुधवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में की जाएगी। इसके साथ ही इन विजेताओं को 1 लाख रुपए के नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 15000 रु., द्वितीय पुरस्कार 7000 रु., तृतीय पुरस्कार 5000 रु. और दो प्रोत्साहन पुरस्कार 3000 रु. के दिए जाएंगे। इसके साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी दिए जाएंगे।

अंजनगांव सुर्जी पंचायत समिति में अधिकारियों की गैरहाजिरी, दोषियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग

प्रहार विद्यार्थी संगठन के जिलाध्यक्ष आकाश खारोडे का जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन

अंजनगांव सुर्जी पंचायत समिति में जिला परिषद अमरावती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम गांधी साहब के स्पष्ट आदेश के बावजूद विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय में अनुपस्थित रहने का आरोप लगाया गया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करने की मांग प्रहार विद्यार्थी संगठन के अमरावती जिलाध्यक्ष आकाश खारोडे ने जिला परिषद अमरावती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की है। आकाश खारोडे द्वारा दिए गए ज्ञापन के अनुसार, दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को दोपहर 2 बजे वे शिकायत आवेदन देने के लिए पंचायत समिति कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान कई विभागों में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित नहीं पाए गए। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार शनिवार और रविवार को भी कार्यालय में उपस्थित रहना अनिवार्य होने के बावजूद संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी गैरहाजिर रहने का आरोप ज्ञापन में लगाया गया है। ज्ञापन में गट विकास अधिकारी (BDO), विस्तार अधिकारी, पंचायत विभाग, घरकुल निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, पशुसंवर्धन विभाग, लेखा विभाग, भंडार विभाग, सांख्यिकी एवं स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग तथा अभिलेख विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति पर सवाल उठाए गए हैं।



सूखे जैसी गंभीर परिस्थिति में नागरिकों की परेशानी बढ़ी

अंजनगांव सुर्जी क्षेत्र में सूखे जैसी गंभीर परिस्थिति के बीच नागरिकों को अपने शासकीय कार्यों के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यालय में उपलब्ध नहीं होने के कारण आम नागरिकों के काम लंबित रह रहे हैं, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मामले में संबंधित अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जांच कर दोषियों के खिलाफ तत्काल निलंबन की कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दोषी कर्मचारियों की एक वर्ष की वेतनवृद्धि (Increment) रोकने की कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग भी ज्ञापन के माध्यम से की गई है।

ज्ञापन के साथ कार्यालय के विभिन्न विभागों के छायाचित्र एवं GPS लोकेशन सहित साक्ष्य संलग्न किए जाने की बात भी कही गई है। इस अवसर पर प्रहार विद्यार्थी संगठन के अमरावती जिलाध्यक्ष आकाश खारोडे, शुभम निमकाळे, समर्थ डवरे, राम रोहनकर, राहुल आवारे, चेतन गीते, गोकुल वडतकर, ऋषि ठवकर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तकनीक का लाभ समाज के बड़े वर्ग तक पहुंचे, सिर्फ कुछ लोगों तक सीमित न रहे: PM मोदी

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में समावेशी विकास और तकनीकी प्रगति पर दिया जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में तकनीक की तेज रफ्तार से हो रही प्रगति का लाभ समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने पर जोर दिया।



नई दिल्ली । उन्होंने कहा कि तकनीकी विकास का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब इसका फायदा केवल कुछ लोगों या चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित न रहकर आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। प्रधानमंत्री के इस संदेश में तकनीक को आर्थिक विकास, सामाजिक सशक्तीकरण और अवसरों की समान उपलब्धता का महत्वपूर्ण माध्यम बनाने की जरूरत रेखांकित हुई।

डिजिटल सेवाओं, नवाचार और आधुनिक तकनीकी समाधानों के विस्तार से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं पैदा हो सकती हैं।

लगातार डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान और तकनीक आधारित सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार को विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में प्रस्तुत करती रही है।ऐसे में तकनीकी प्रगति को आम लोगों की जरूरतों से जोड़ना और उसके लाभ को अधिक व्यापक बनाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री का संदेश इस बात पर केंद्रित रहा कि तकनीक केवल आर्थिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने का साधन न बने, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों को आगे बढ़ने के समान अवसर भी दे।